Notes

द्वारा भिन्न-भिन्न पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत किया जाता है।

सामाजिक विचारधारा :— सामाजिक विचारधारा के आधार पर ही पाठ्यक्रम का निर्धारण होता है। जिसमें समाज में तैलिकता, मानवतावादी विचार धारा से प्रभावित होता है। जैसे — भारतीय विद्यालयों का पाठ्यक्रम इसके विपरीत जिस समाज में स्वार्थवादिता एवं नैतिकता के ~~विरुद्ध~~ विरुद्ध विचार धारायें होती है।

सामाजिक व्यवस्था :— सामाजिक व्यवस्था का भी पाठ्यक्रम पर पूर्ण: प्रभाव होता है। ~~जैसे भारतीय समाज~~ भारतीय समाज में ऊच-नीच, एवं जाति-पाँति की भावना व्यवस्थित है। इसके आधार पर धार्मिक पाठ्यक्रम उच्च एवं कुलीन वर्ग के लिए निर्धारित होता है।

सामाजिक सोच — सामाजिक सोच भी पाठ्यक्रम का प्रमुख आधार होता है। जिस समाज की सोच "सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय" की भावना पर आधारित है।

Scanned with CamScanner

Notes

बहुसांस्कृतिक और बहुभाषायी पक्ष
Multicultural and Multilingual Aspects

किसी स्थान या राष्ट्र विशेष में बहुत-सी भाषाओं या बोलियों का बोला जाना ही बहुभाषिकता है। दूसरे शब्दों में जब किसी राष्ट्र में विभिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं तो उसे बहुभाषिकता या बहुभाषिक कहा जाता है। हमारे देश में यही विशेषताएँ हैं। जहा विभिन्न प्रान्तों में विभिन्न भाषाएँ प्रचलित हैं। जैसे तमिलनाडु में तमिल, महाराष्ट्र में महाराष्ट्री मराठी केरल में मलयालम्, उत्तर-प्रदेश बिहार, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश आदि उत्तर भारत के प्रान्तों में हिन्दी में भाषा प्रचलित हैं।
जैसे- उत्तर-प्रदेश में ब्रज, अवधी, कनौजी, मैथली आदि बोलियाँ होती हैं।

1- बालकों को पृष्ठ पोषण :- जब किसी शिक्षक द्वारा किसी बालक को उसकी अंचलित भाषा पृष्ठपोषण प्रदान किया जाता है। तो वह उसे अधिक प्रभावित होता है। क्योंकि भाषा शिक्षक द्वारा प्रयुक्त की जा रही है। वह भाषा उसके घर एवं परिवार में प्रयुक्त की जाती है।

2 व्याख्या में :- भाषा शिक्षक किसी तथ्य या कविता की व्याख्या करता है। तथा उसका अर्थ स्पष्ट करता है। तो उसमें उन भाषीय शब्दों का प्रयोग हो।

Scanned with CamScanner

Notes
जो की बालक को आंचलिक भाषा से सम्बन्धित है। और यह प्रभावशील सिद्ध होता है। इसके अतिरिक्त जिन भाषाओ का ज्ञान शिक्षक एव छात्र दोनो को हो उन शब्दो का प्रयोग छात्रो को अर्थ समझने में सहायक होता है।

3- सम्प्रेषण प्रक्रिया में — जब शिक्षक बालक के साथ भाषीय विचारो का आदान- प्रदान करता है। तब उसको भाषा का प्रयोग करने में जितना छात्रो को यथा ज्ञान है सम्प्रेषण प्रक्रिया उत्पन हो जाती है।
जैसे राजस्थान के छात्रों को राजस्थानी भाषा, एवं अंग्रेजी भाषा के माध्यम से हिन्दी भाषा को शिक्षण दिया जाता है। और वह अधिगम प्रक्रिया प्रभावशील हो जाती है।

4. छात्रो को आत्मीयता स्थापित करना → अनेक अवसरो पर अ' छात्रों में जब शिक्षक उनकी भाषा में बात करता है। उससे सम्बन्धित भाषा बात करता है। तथा शिक्षण कार्य करता है। और शिक्षक छात्र के मध्य मधुरता आत्मीयता का सम्बन्ध जुड़ जाता है। और छात्र शिक्षक के अधिक समीप आ जाता है।

Scanned with CamScanner

Notes

5- उदाहरण देने में
6- समानार्थक शब्दो का प्रयोग
7- बहुभाषीय छात्रों को समझाने में
8- प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए

समालोचनात्मक मुद्दे एवं पाठ्यक्रम
Critical Issues and Curriculum.

1- सिद्धान्त एवं व्यवहार का समन्वय
2- स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित
3- अनुभवों पर आधारित
4 बालक बालिकाओं के लिए भिन्न पाठ्यक्रम
5- पाठ्यक्रम का आधार सामाजिक सुधार
6 राष्ट्रीय महत्व के तथ्यों की जानकारी-
7 बालकों की आयु बौद्धिक क्षमता आदि का ध्यान-
8- क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम-
9- लचीला तथा व्यापक पाठ्यक्रम-
10- विद्यार्थियों के क्षमता अनुसार पाठ्यक्रम-
11- विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर के अनुरूप भाषा-
12 समन्वय प्रधान पाठ्यक्रम-

Unit - 4 पाठ्यक्रम - विकास
Curriculum Development

पाठ्यक्रम का विकास — कोई भी पाठ्यक्रम अपने प्रारम्भिक रूप में एक निश्चित शैल का प्रतिनिधित्व करता है। धीरे - धीरे अनेक प्रकार की सामाजिक एवं राष्ट्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु पाठ्यक्रम स्वरूपों में परिवर्तन और विकास का मार्ग प्रस्तुत करता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया जाता है। पाठ्यक्रम की प्रक्रिया निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जो की समाज के सामाजिक आकांक्षाओं के आधार पर परिवर्तित होती है।

लक्ष्य एवं उद्देश्यों का निर्धारण

Formulation of aims and objectives — लक्ष्य एवं उद्देश्य पाठ्यक्रम विकास का प्रथम सोपान है। हम शैक्षिक लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं क्रियाओं के सम्बन्ध में विचार करते हैं। जिसे हम पाठ्यक्रम के रूप जानते हैं।

जैसे — जब शिक्षक बालक के विकास के लक्ष्यों को के शारीरिक विकास के उनके गतिविधि को निर्धारित करता है। उनके गतिविधि एवं अनुभवों के क्रमबद्ध समूहों को पाठ्यक्रम के नाम से जाना जाता है। वर्तमान समय में पाठ्यक्रम का स्वरूप व्यापक हो जाता है।

Scanned with CamScanner